MESH

विकलांगों की सेवा के लिए
रोजगार को अधिक बढ़ाना

“ यह विचार कि कुछ लोगों के जीवन का महत्व कम है, दुनिया में जो भी गलत हो रहा है का मूल कारण है । ”

- डॉ. पॉल फार्मर।

एमईएसएच की उचित व्यापार तथ्य पत्रिका:

उचित कीमत का भुगतान :

उचित कीमत :
उचित कीमत वो होती है जो सभी के द्वारा आपस में बात-चीत व भागीदारी से तय की जाए , जो उत्पादकों को उचित कीमत प्रदान करे और बाज़ार में स्थायी तौर पर बनी रहे।

उचित वेतन:
उचित वेतन का मतलब है कि सामाजिक रूप से स्वीकार्य पारिश्रमिक का प्रावधान (स्थानीय संदर्भ में) जिसे स्वयं उत्पादकों द्वारा उचित माना गया हो और जो महिलाओं और पुरुषों को समान कार्य पर समान वेतन के सिद्धान्त पर भी आधारित हो।

कीमत निर्धारित करने के लिए क्षमता का निर्माण:
उचित व्यापार विपणन और आयात संगठन उत्पादकों के लिए आवश्यक क्षमता निर्माण का समर्थन करते हैं ताकि वे उचित कीमत निर्धारित कर सकें।

सिद्धान्त चार के आधार पर उत्पादक समूहों की निगरानी निम्नलिखित बिन्दुओं के अनुसार की जाती है:

अनुपालन मापदंड	संकेतांक जो दर्शाते हैं कि आप इन्हें लागू करते हैं:
उचित व्यापार उत्पाद की कीमत	• उचित व्यापार उत्पाद की कीमत तय करने के लिए तंत्र हो जो पारदर्शी व सत्यापित किए जाने योग्य लागत व लाभ मार्जिन के आधार पर काम करे और जो बाज़ार के प्रचलित भाव को ध्यान में रखे। • उत्पादक व भागीदार उस प्रक्रिया के लिए परस्पर सहमत हों जिससे कीमत तय की जा रही हो। • अपने लागत ढांचे का मूल्यांकन करें और उत्पादन प्रबंधन में सुधार का प्रयास करे ताकि उचित व्यापार उत्पादकों के लाभ को अधिकतम किया जा सके। • स्थानीय संदर्भ में उत्पादन लागत व जीवनयापन के खर्च को समझें व उत्पादकों के लिए स्थायी आजीविका की तरफ बढ़ें।
स्थानीय न्यूनतम वेतन	वेतन स्थानीय न्यूनतम वेतन के अनुसार दिया जाए

उन उत्पादकों के लिए उचित वेतन दर तय करना एक चुनौती है जिनकी विकलांगता उनके उत्पादन स्तर को प्रभावित करती है। इन चुनौतियों का सामना निम्न द्वारा किया जा सकता है-

अ) क्षमता के अनुसार कार्य दिया जा सकता है

ब) उन्हें काम में सहायता प्रदान करने वाली चीज़ें दी जा सकती हैं या उत्पादकता बढ़ाने के लिए उत्पादन तरीके में बदलाव किया जा सकता है।

संदर्भ:

http://www.wfto.com/fair-trade/10-principles-fair-trade

शुभकामनाओं सहित,

एमईएसएच